संकल्प

HINDI LITERACY TEAM
CHANDIGARH

अनेकता में एकता

हिंद की विशेषता

मैं हूँ प्रेरक
और मैं हूँ प्रेरणा

दीदी, आज आप मुझे क्या जानकारी दोगे?

प्रेरक, मैं आज तुम्हें विश्व सर्वोपरि भारतवर्ष के बारे में बताऊंगी
लिंक पर क्लिक करके ये गीत सुनो ज़रा!

https://youtu.be/5ZL2-2JSR8M

अरे वाह दीदी!

गीत सुनकर तो मज़ा आ गया।

हां प्रेरक, भारत है ही बहुत खूबसूरत देश और यहां पर अलग-अलग वेशभूषा, खानपान, भाषा बोलने वाले लोग रहते हैं जो कि भारत की खूबसूरती को चार चांद लगाते हैं।

वह कैसे दीदी!

सुनो प्रेरक! कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक भारत विभिन्न भागों से घिरा हुआ है। यहां रेगिस्तान, बर्फ से ढके ऊंचे पहाड़, पठार, समुद्र-तट और सुंदर-सुंदर द्वीप भी हैं।

भूलोक का गौरव,

प्रकृति का पुण्य लीला स्थल कहां?

पहला मनोहर गिरि हिमालय

और गंगा जल जहां ।

संपूर्ण देशों से अधिक

किस देश का उत्कर्ष है?

उसका की जो ऋषि भूमि है ,

वह कौन? “भारतवर्ष है।”

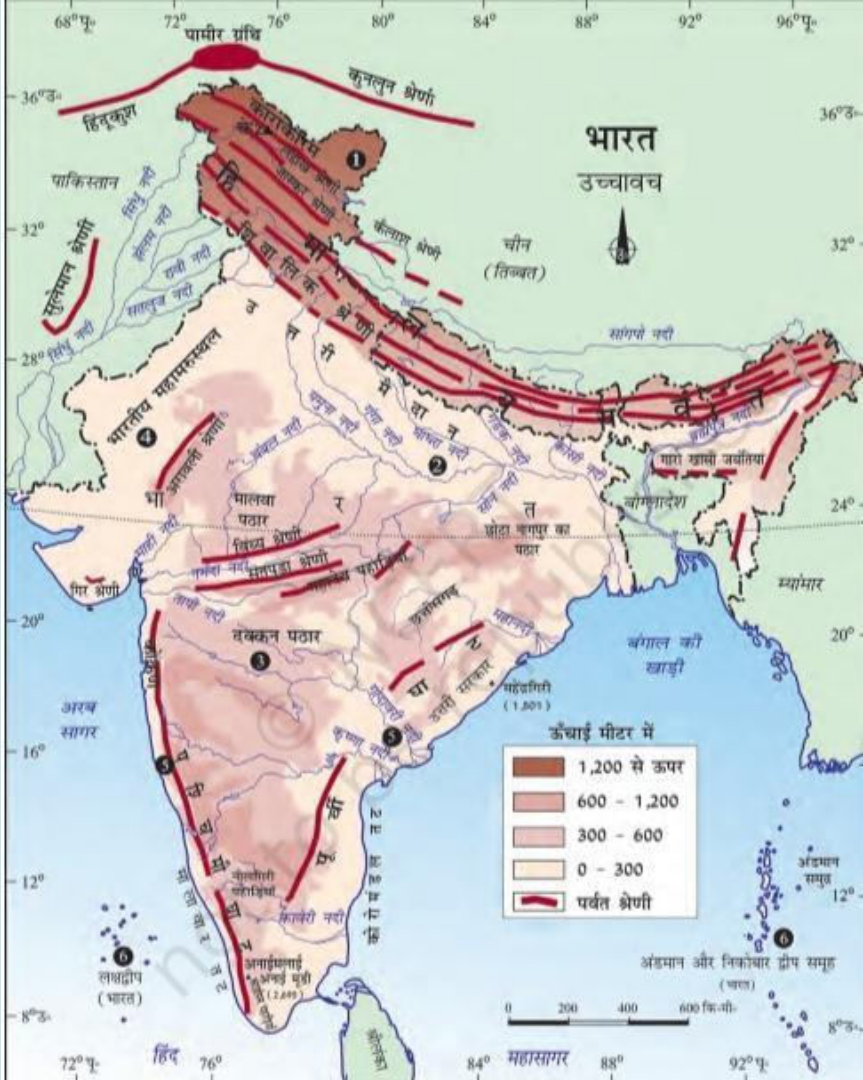

अब बात करें लोगों की..... तो यहां पर हर राज्य की अपनी भाषा, अपनी बोली, अपना खान-पान, अपना पहनावा व अपने रीति रिवाज़ हैं, जो कि इसकी खूबसूरती को चार चांद लगा देते हैं,समझे!
😊😊

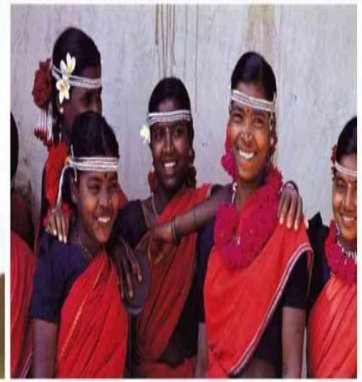

अरे हां दीदी, कलाग्राम के मेले में विभिन्न राज्यों के व्यंजन, नृत्य और हस्त-शिल्पी भी आते हैं न।

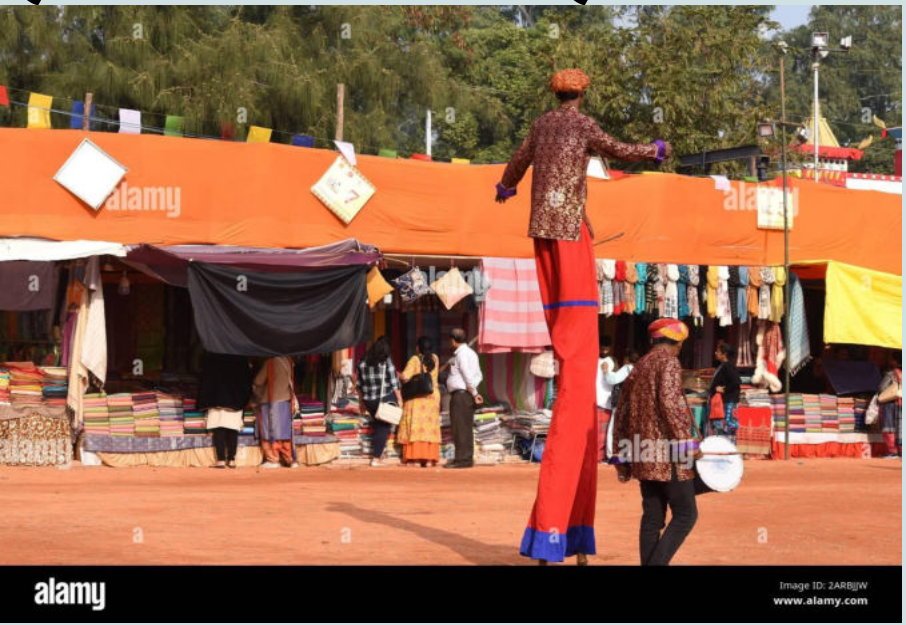

हां प्रेरक! 👌👌 मेरे संग रहकर समझदार हो गये हो।
प्रेरक, ये मेले हमारी संस्कृति व हमारी एकता को और मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

वो कैसे दीदी?

प्रेरक, विभिन्न राज्यों से हस्तशिल्पी व कारीगर यहां पहुंचते हैं तथा अपनी बनाई हुई विभिन्न वस्तुओं व कृतियों का प्रदर्शन करते हैं। लोग एक दूसरे की संस्कृति को यहां निकटता से देखते और जानते हैं। उनकी बनाई हुई वस्तुओं को खरीदते हैं, प्रयोग करते हैं, जिससे न केवल आर्थिक विकास होता है, बल्कि एक दूसरे की संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना भी जागृत होती है।

अच्छा! तो यह बात है।

हां प्रेरक भाई।

भारत की संस्कृति बहुआयामी है, जिसमें भारत का इतिहास, विलक्षण भूगोल और सभ्यता विकसित हुई है।

दीदी, हमारी भारतीय संस्कृति की कुछ विशेषताएं भी बता दो।

सुनो प्रेरक।

- प्राचीनता एवं निरंतरता
- लचीलापन एवं सहिष्णुता
- ग्रहणशीलता
- अनेकता में एकता
- आध्यात्मिकता एवं भौतिकता का समन्वय

ये हैं हमारी भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषताएं।

और प्रेरक,

भारतीय संस्कृति की एक महत्त्वपूर्ण विशेषता यह है कि हज़ारों वर्षों के पश्चात आज भी यह संस्कृति अपने मूल स्वरूप में जीवित है।

कवि इकबाल ने बहुत सुंदर लिखा है:--

यूनान, मिस्र, रोमां, सब मिट गए जहां से।
अब तक मगर है बाकी, नाम-ओ-निशां हमारा।

कुछ बात है कि हस्ती, मिटती नहीं हमारी।
सदियों रहा है दुश्मन दौर-ए-जहां हमारा।

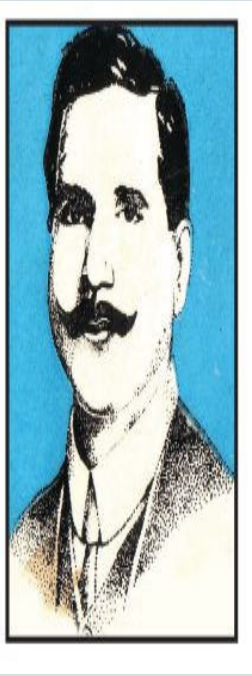

अरे दीदी, यह गीत तो मुझे पता है:---

सारे जहां से अच्छा, हिंदुस्तां हमारा ।
हम बुलबुले हैं इसकी,यह गुलसितां हमारा।

वाह! प्रेरक वाह!👌👌

अब तो तुम भली-भांति समझ गए हो कि अनेक विभिन्नताओं के बावजूद भी भारत की पृथक् सत्ता रही है। जहां हिमालय संपूर्ण देश के गौरव का प्रतीक रहा है वहीं गंगा, यमुना और नर्मदा जैसी नदियों की स्तुति लोग प्राचीन काल से करते चले आ रहे हैं।

उत्तर से लेकर दक्षिण तथा पूर्व से लेकर पश्चिम तक संपूर्ण भारत में जन्म, विवाह और मृत्यु के संस्कार लगभग एक-जैसे प्रचलित हैं। विभिन्न रीति-रिवाज़, आचार-व्यवहार और तीज-त्योहारों में भी समानता है। चाहे हमारी भाषाओं में विविधता हो परंतु संगीत, नृत्य, नाट्य के मौलिक स्वरूपों में आश्चर्यजनक समानता पाई जाती है। संगीत के सात स्वर और नृत्य के त्रिताल संपूर्ण भारत में समान रूप से ही प्रचलित हैं।

और प्रेरक,

भारत अनेक धर्मों, संप्रदायों, मतों और पृथक आस्थाओं का महादेश है। लेकिन इसका सांस्कृतिक समुच्चय और अनेकता में एकता का स्वरूप संपूर्ण संसार के लिए विस्मय का विषय रहा है।

जी दीदी, आज तो मज़ा आ गया।
अनेकता में एकता, है हिंद की विशेषता।

शाबाश प्रेरक!
अब दो ज़रा मेरे प्रश्नों के उत्तर।

1. “अनेकता में एकता” का विचार किसने दिया?

क. महात्मा गांधी ख. सुभाष चंद्र बोस

ग रविंद्र नाथ टैगोर घ. पंडित जवाहरलाल नेहरू

2. “सारे जहां से अच्छा, हिंदुस्तान हमारा।” देश भक्ति गीत के कवि कौन हैं?

3. मेले हमारी संस्कृति को मजबूत करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । कैसे?

4.

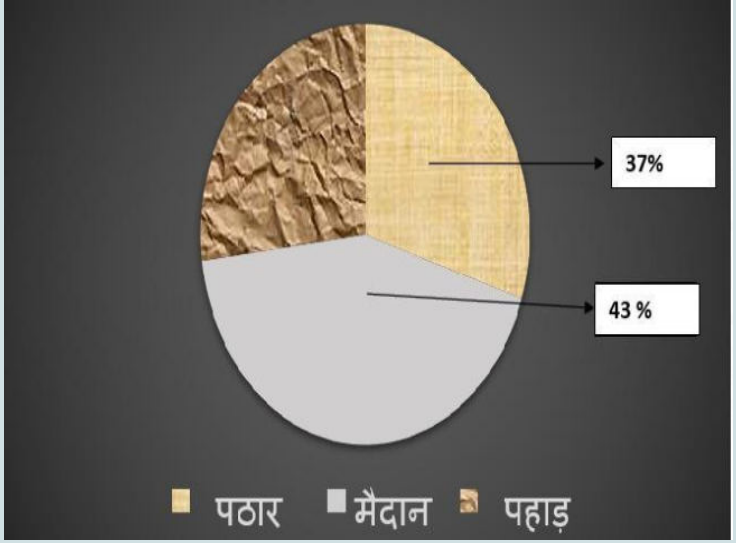

भारत के भूमि-वितरण को दर्शाने वाले पाई चार्ट को देखकर बताइए कि भारत में भूमि के कितने अंश भाग पर पहाड़ों का कब्जा है?(मैदान-43%, पठार-37%)

5. "त्रिताल" शब्द में कौन-सा समास है?

उत्तरमाला

1. पंडित जवाहरलाल नेहरू
2. मोहम्मद इक़बाल
3. विद्यार्थी स्वयं करेंगे
4. ⅕ (20/100)
5. द्विगु समास

संकल्प पत्रिका का यह संस्करण कक्षा दसवीं की पाठ्यपुस्तक 'क्षितिज' भाग-2 के पाठ 'संस्कृति' से प्रेरित है तथा यह सीखने के विभिन्न प्रतिफल जैसे स्वाभाविक अभिव्यक्ति, कल्पनाशीलता, कौशल और सोच, अनुमान और कल्पना, हस्तशिल्प गतिविधियां,कला संबंधी दक्षता व रुचि को पूर्ण करता है।